संत थॉमस स्कूल, धुर्वा, रॉची

सत्र (2021–22)

कक्षा – 6

विषय – हिन्दी **पाठ 9–याद तुम्हारी आती है** **पुस्तक – मंथन**

मौखिक

प्रश्न 1. इस कविता के रचयिता कौन हैं ?

उत्तर. इस कविता के रचयिता श्री रामनरेश त्रिपाठी जी हैं।

प्रश्न 2. हरियाली कहॉ लहराती है ?

उत्तर. हरियाली मैदानों, जंगलों और बागीचों में लहराती हैं।

प्रश्न 3. कौन चुपचाप चमकते हैं ?

उत्तर. रात होने पर आसमान में तारे चुपचाप चमकते हैं।

प्रश्न 4. शान से कौन उगता है ?

उत्तर. आसमान में चॉद शान से उगता है।

लिखित

लघूउत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. छम–छम क्या गिरता है?

उत्तर. जब वर्षा होती है तो पानी की बूँदें छम–छम करती हुई आसमान से गिरती है।

प्रश्न 2. कवि ने 'ठंडी–ठंडी' किसे कहा है?

उत्तर. कवि ने बहती हुई हवा को ठंडी–ठंडी कहा है जो हमारे लिए मस्ती ढोकर लाती है।

प्रश्न 3. कवि ने 'तुम्हारी' कहकर किसे संबोधित किया है ?

उत्तर. कवि ने ईश्वर को तुम्हारी कहकर संबोधित किया है।

प्रश्न 4. झर–झर कौन झरता है?

उत्तर. पानी का झरना झर–झर झरता है।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. कवि किन–किन क्षणों में जग के सिरजनहार अर्थात ईश्वर का स्मरण करता है ?

उत्तर–कवि ने विविध प्राकृतिक घटनाओं के समय ईश्वर का स्मरण किया है। जब वर्षा होती है तब पानी की बूँदों के साथ बिजली चमकती है। मैदानों, वन–बागों में फैली हरियाली के समय जब हवा का झोका मस्ती लाती है, तो ईश्वर की याद आती है। रात होने पर आसमान में चमकते तारे, शान से उगते चॉद और प्रातः काल घासों पर फैली ओस की बूँदें देखकर ईश्वर की याद आती है। बहते हुए झरने, नदियॉ, चॉदनी रात में सागरों में उठते ज्वारों को देखकर कवि को जग के सिरजनहार की याद आती है।

प्रश्न 2. रात्रि के समय का वर्णन किस प्रकार किया गया है?

उत्तर–रात होते ही आसमान में चमकते हुए तारे दिखाई देने लगते हैं, ऐसा लगता है कि उन्होने अपनी महफिल सजा ली हो। इस आसमान में चॉद भी शान से उग जाता है। उसकी शीतल रोशनी पूरे संसार को चारो ओर रौशन कर देती है। अत्यंत सुन्दर तरीके से ईश्वर हम सभी के लिए उत्सव जैसा माहौल उपलब्ध कराते हैं जिसे देखकर हमें उनकी याद आ जाती है।

प्रश्न 3. 'जब ओस रूप में हरी घास, चमकीले मोती पाती है। इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए?

उत्तर–प्रस्तुत पंक्तियॉ हमारी हिन्दी पाठ्यपुस्तक, 'मंथन' के पाठ –9, 'जब याद तुम्हारी आती है' से ली गई हैं। इसमें कवि ने प्रातः काल हरी–हरी घासों पर फैली ओस की बूँदों के बारे में काफी रोचक तरीके से वर्णन किया है। वे कहते हैं कि जब प्रातः काल होता है तो ओस की बूदें घासों पर दिखाई देती है तो ऐसा लगता है कि उन सभी घासों को ओस के रूप में चमकीले मोती प्राप्त हुए है।

प्रश्न 4. 'नदियॉ मस्ती में बहती हैं, जब देश–देश की बातें वे सागर में जाकर कहती हैं –इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए?

उत्तर–प्रस्तुत पंक्तियॉ हमारी हिन्दी पाठ्यपुस्तक 'मंथन' के पाठ–9 'जब याद तुम्हारी आती है' से ली गई हैं। इसमें कवि कहते हैं कि नदियॉ अपनी मस्ती में बहती जाती है और वे विविध देशों में बहते हुए अंत में सागर में गिरती है तो ऐसा लगता है मानों वे सागरों को अनेक देशों की बातें सुना रही हो। इस प्रकार लेखक ने नदियों तथा समुद्र के संबंध में काफी सुन्दर भाव प्रकट किया है।

पठित पद्यांश प्रश्न

प्रश्न 1. सृजनहार का क्या अर्थ है?

उत्तर. ईश्वर

प्रश्न 2. चम–चम करके कौन चमकता है?

उत्तर. बिजली

प्रश्न 3. हरि घास पर चमकीले मोती किस कारण चमकते हैं?

उत्तर. ओस के कारण

प्रश्न 4. ज्वार का क्या अर्थ है?

उत्तर. ऊँची लहरे

प्रश्न 5. ज्वार कहॉ उठता है?

उत्तर. समुद्र में

प्रश्न 2. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–

चुपचाप चमकते.....तब याद तुम्हारी आती है।

उत्तर–प्रस्तुत पंक्तियॉ हमारी हिन्दी पाठ्यपुस्तक, 'मंथन' के पाठ –9 'जब याद तुम्हारी आती है' से ली गई हैं। इसमें कवि ने रात के समय और प्रातः काल की सुन्दर प्राकृतिक घटनाओं की चर्चा की है। वे कहते हैं कि जब रात होती है तो आसमान में चमकते तारे दिखाई देने लगते हैं। ऐसा लगता है कि उन्होने अपनी महफिल सजा ली हो। आसमान में चॉद भी शान से उग जाता है। उसकी शीतल रोशनी पूरे संसार को चारो ओर रोशन कर देती है। अत्यंत सुन्दर तरीके से ईश्वर ने हम सभी के लिए उत्सव जैसा माहौल उपलब्ध कराते है । इसी प्रकार जब सुबह होती है तो प्रातः काल के समय हरी–हरी घासों पर फैली ओस की बूँदें दिखाई देती हैं। वे कहते हैं कि जब प्रातःकाल होता है तो ओस की बूँदें घासों पर दिखाई देती है तो ऐसा लगता है उन सभी घासों को ओस के रूप में चमकीले मोती प्राप्त हुए है। काफी सुन्दर दृश्य हमें चारो ओर दिखाई देता है। इस प्रकार इन प्राकृतिक दृश्यों को देखकर वे अभिभूत हो जाते हैं और ईश्वर के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं और कहते हैं कि हे दुनिया की रचना करने वाले ईश्वर तुम्हारी याद आ रही है।